'कृषि भारत' में दिखेगी परिवर्तन की झलक

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : प्रदेश सरकार शुक्रवार से लखनऊ में चार दिवसीय 'कृषि भारत' वैश्विक सम्मेलन आयोजित करने जा रही है। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इसमें कई देशों के उद्योग विशेषज्ञ, कृषि वैज्ञानिक, किसान व उद्यमी हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में भारतीय कृषि के क्षेत्र में हो रही महत्वपूर्ण प्रगति पर चर्चा होगी। इसमें एक लाख से अधिक किसान कृषि क्षेत्र की नई तकनीकों के बारे में जानकारी लेंगे। इसमें करीब 200 कंपनियां शामिल होंगी।

लोक भवन में गुरुवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस गर्ग ने बताया कि इसमें नीदरलैंड पार्टनर देश के रूप में भाग ले रहा है। यह सम्मेलन कृषि उपकरण, खाद्य प्रसंस्करण और एग्रो-टेक में वैश्विक नवाचारों के लिए एक विशेष मंच प्रदान करेगा। लखनऊ के वृंदावन ग्राउंड में आयोजित 'कृषि भारत' में 20 हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में प्रदर्शनी लगेगी। इसका आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआइआइ) कर रहा है। इससे पहले सीआइआइ चंडीगढ़ में ऐसे ही 15 'कृषि भारत' सम्मेलन करवा चुका है।

हर जिले में डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता : सूर्य प्रताप शाही

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने एक बार फिर प्रदेश के सभी जिलों में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता का दावा किया है। कृषि मंत्री ने किसानों को अफवाहों पर ध्यान न देने और संतुलित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग करने का सुझाव भी दिया है। किसानों से आग्रह किया है कि यदि कोई विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत मांगता है या किसी अन्य उत्पाद खरीदने का दबाव डालता है, तो जिला कृषि अधिकारी के नंबरों पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने मैनपुरी के जिला कृषि अधिकारी (7839882673, 7839882674) और सहकारिता समिति (7905240645, 9140363250) के नबंर भी जारी किए हैं। वहीं, कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस गर्ग ने लोक भवन में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में 30 नवंबर तक का हर जिले के लिए पर्याप्त स्टाक मौजूद है।